सतगुरु सुणज्यो हेलो मारो गुरु वंदना लिरिक्स

सतगुरु सुणज्यो हेलो मारो,
बार बार मैं करूं सा विनती,
चाकर हूँ चरणा रो।bd।

काम क्रोध मद लोभ मोह को,
पहले दूर निवारो,
दया करो दुर्बल पर दाता,
मैं हूँ बालक थारो।bd।

निश्चय होकर शरणो लिदो,
मारो चाहे तारो,
ओरा को जोर उठे नही चाले,
एक आपको सहारो।bd।

भांत भांत का हो गया भेला,
करता नही सुधारो,
आप आप के मार्ग जासी,
मुझको आप उबारो।bd।

पूर्ण ब्रम्ह आप अविनाशी,
भेद बताओ सारो,
भव सागर में डूबत नैया,
दिखत नही किनारों।bd।

चतुर स्वामी अंतर्यामी,
कृपा दृष्टि निवारो,
ओमप्रकाश शरण सतगुरु की,
पेली पार उतारो।bd।

सतगुरु सुणज्यो हेलो मारो

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बार बार मैं करूं सा विनती,
चाकर हूँ चरणा रो।bd।

गायक – चम्पा लाल प्रजापति।
मालासेरी डूँगरी 89479-15979

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com